

---

Shri Chinnamastashottarashatanama stotram

श्रीछिन्नमस्ताष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

Document Information

---

Text title : ChinamastASHottarashatanAmastotram

File name : chinnama.itx

Category : aShTottarashatanAma, devii, dashamahAvidyA, stotra, devI

Location : doc\_devii

Author : Traditional

Transliterated by : Michael Magee ac70 at cityscape.co.uk

Proofread by : Michael Magee ac70 at cityscape.co.uk

Latest update : Dec. 22, 1997, Sept, 15, 2014

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीछिन्नमस्ताष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्



श्रीपार्वत्युवाच -

नाम्नां सहस्रमं परमं छिन्नमस्ता-प्रियं शुभम् ।  
कथितं भवता शम्भो सद्यः शत्रु-निकृन्तनम् ॥ १ ॥

पुनः पृच्छाम्यहं देव कृपां कुरु ममोपरि ।  
सहस्र-नाम-पाठे च अशक्तो यः पुमान् भवेत् ॥ २ ॥

तेन किं पठ्यते नाथ तन्मे ब्रूहि कृपा-मय ।

श्री सदाशिव उवाच -

अष्टोत्तर-शतं नाम्नां पठ्यते तेन सर्वदा ॥ ३ ॥

सहस्र-नाम-पाठस्य फलं प्राप्नोति निश्चितम् ।

ॐ अस्य श्रीछिन्नमस्ताष्टोत्तर-शत-नाम-स्तोत्रस्य सदाशिव

ऋषिरनुष्टुप् छन्दः श्रीछिन्नमस्ता देवता

मम-सकल-सिद्धि-प्राप्तये जपे विनियोगः ॥

ॐ छिन्नमस्ता महाविद्या महाभीमा महोदरी ।

चण्डेश्वरी चण्ड-माता चण्ड-मुण्ड-प्रभञ्जिनी ॥ ४ ॥

महाचण्डा चण्ड-रूपा चण्डिका चण्ड-खण्डिनी ।

क्रोधिनी क्रोध-जननी क्रोध-रूपा कुहू कला ॥ ५ ॥

कोपातुरा कोपयुता जोप-संहार-कारिणी ।

वज्र-वैरोचनी वज्रा वज्र-कल्पा च डाकिनी ॥ ६ ॥

डाकिनी कर्म-निरता डाकिनी कर्म-पूजिता ।

डाकिनी सङ्ग-निरता डाकिनी प्रेम-पूरिता ॥ ७ ॥

खट्वाङ्ग-धारिणी खर्वा खङ्ग-खप्पर-धारिणी ।

प्रेतासना प्रेत-युता प्रेत-सङ्ग-विहारिणी ॥ ८ ॥

छिन्न-मुण्ड-धरा छिन्न-चण्ड-विद्या च चित्रिणी ।  
 घोर-रूपा घोर-दृष्टर्घोर-रावा घनोवरी ॥ ९ ॥  
 योगिनी योग-निरता जप-यज्ञ-परायणा ।  
 योनि-चक्र-मयी योनिर्योनि-चक्र-प्रवर्तिनी ॥ १० ॥  
 योनि-मुद्रा-योनि-गम्या योनि-यन्त्र-निवासिनी ।  
 यन्त्र-रूपा यन्त्र-मयी यन्त्रेशी यन्त्र-पूजिता ॥ ११ ॥  
 कीर्त्या कर्पादनी काली कङ्काली कल-कारिणी ।  
 आरक्ता रक्त-नयना रक्त-पान-परायणा ॥ १२ ॥  
 भवानी भूतिदा भूतिभूति-दात्री च भैरवी ।  
 भैरवाचार-निरता भूत-भैरव-सेविता ॥ १३ ॥  
 भीमा भीमेश्वरी देवी भीम-नाद-परायणा ।  
 भवाराध्या भव-नुता भव-सागर-तारिणी ॥ १४ ॥  
 भद्र-काली भद्र-तनुर्भद्र-रूपा च भद्रिका ।  
 भद्र-रूपा महा-भद्रा सुभद्रा भद्रपालिनी ॥ १५ ॥  
 सुभव्या भव्य-वदना सुमुखी सिद्ध-सेविता ।  
 सिद्धिदा सिद्धि-निवहा सिद्धासिद्ध-निषेविता ॥ १६ ॥  
 शुभदा शुभफगा शुद्धा शुद्ध-सत्वा-शुभावहा ।  
 श्रेष्ठा दृष्टि-मयी देवी दृष्टि-संहार-कारिणी ॥ १७ ॥  
 शर्वाणी सर्वगा सर्वा सर्व-मङ्गल-कारिणी ।  
 शिवा शान्ता शान्ति-रूपा मृडानी मदानतुरा ॥ १८ ॥  
 इति ते कथितं देवि स्तोत्रं परम-दुर्लभम् ।  
 गुह्याद्-गुह्य-तरं गोप्यं गोपनियं प्रयत्नतः ॥ १९ ॥  
 किमत्र बहुनोक्तेन त्वदग्रं प्राण-वल्लभे ।  
 मारणं मोहनं देवि ह्युच्चाटनमतः परमम् ॥ २० ॥  
 स्तम्भनादिक-कर्माणि ऋद्धयः सिद्धयोऽपि च ।  
 त्रिकाल-पठनादस्य सर्वे सिध्यन्त्यसंशयः ॥ २१ ॥  
 महोत्तमं स्तोत्रमिदं वरानने मयेरितं नित्य मनन्य-बुद्धयः ।


पठन्ति ये भक्ति-युता नरोत्तमा भवेन्न तेषां रिपुभिः पराजयः ॥ २२ ॥

॥ इति श्रीछिन्नमस्ताष्टोत्तरशतनाम स्तोत्रम् ॥


Encoded and proofread by Mike Magee ac70@cityscape.co.uk

Last updated October 20 1998 for HTML version

---

——  
*Shri Chinnamastashottarashatanama stotram*

pdf was typeset on November 22, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

